समय: ३ घंटे **पूर्णांक: ७५**

सुचना: १. सभी प्रश्न अनिवार्य है |

२. सभी प्रश्नों के लिए अंक समान है |

३. उत्तर पत्रिका में प्रश्न क्रमांक व उप क्रमांक अवश्य लिखें |

प्रश्न १. रस पर चर्चा करते हुए रस के अव्ययओं को स्पष्ट कीजिए | **१५**

अथवा

अलंकार के स्वरूप एवं स्थापनाओं का विवेचन कीजिए |

प्रश्न २. रीति के भेदों को स्पष्ट कीजिए? **१५**

अथवा

छायावाद की प्रतिष्ठा में आचार्य नंददुलारे वाजपेयी की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।

प्रश्न ३. अरस्तू के विरेचन सिद्धांत की अवधारणा स्पष्ट करते हुए, उसके सिद्धांतो पर विस्तृत चर्चा कीजिए। **१५**

अथवा

अभिजात्य वाद का अर्थ, स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए उसकी प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न ४. प्लेटो के काव्य-सम्बन्धी सिद्धांत पर प्रकाश डालिए। **१५**

अथवा

लॉजाइनस के काव्य संबंधी उदात्त तत्व की विस्तृत विवेचना कीजिए।

प्रश्न ५. **निम्नलिखित में से किन्ही तीन विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए |** **१५**

(क) रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ

(ख) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी जी के आलोचनात्मक विचार

(ग) कार्लमार्क्स

(घ) पाश्चात्य काव्यशास्त्र में उदात्त की अवधारणा

****

XSAGARDADMINY956282XSAGARDADMINY956282